जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 85 प्रभात जालोर, सोमवार 1 जुलाई, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

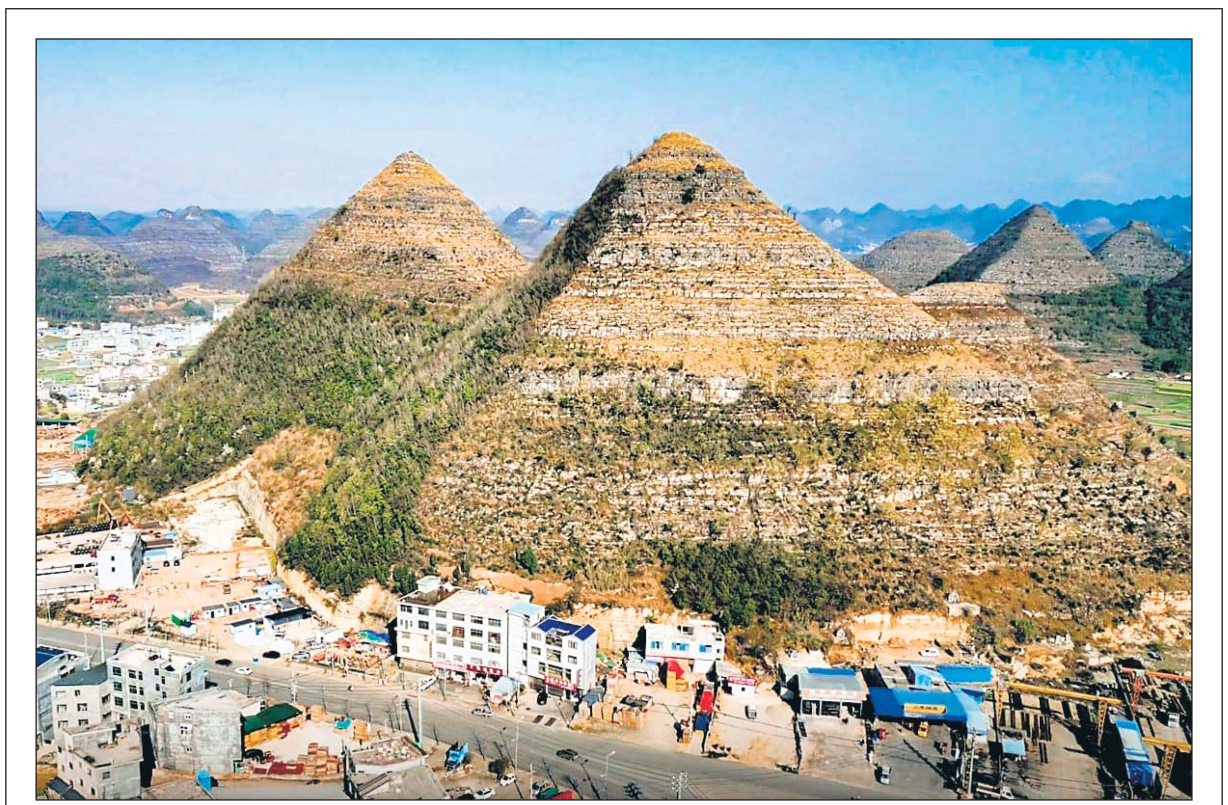

दक्षिण -पूर्व चीन के गुईजो प्रांत में स्थित अनलांग काउन्टी की पर्वत श्रृंखला की तस्वीरों ने इंटरनेट का उपयोग करने वालों को मोहित कर लिया है। सोशल मीडिया में, हाल में शेयर किए हुए फुटेज में, कई पहाड़ी चोटियां मिस्र के पिरामिडों की तरह नज़र आ रही हैं, जिसके कारण सोशल मीडिया पर उनके स्रोत (ओरिजिन) के बारे में बहस छिड़ गई है। कुछ लोगों का मानना है कि, ये रचनाएं मानव-निर्मित हैं जिन्हें प्राचीन काल के सम्राटों की कब्रों को छुपाने के लिए बनाया गया होगा, जबकि कुछ का मानना है कि, ये ''एलियन्स'' द्वारा बनाए गए हैं। तथापि, वास्तविकता आश्चर्यजनक होने के साथ-साथ नीरस भी है, क्योंकि, ये प्राकृतिक रचनाएं हैं, कोई नाटकीय तथ्य इनसे जुड़ा हुआ नहीं है। गुईजो नॉर्मल युनिवर्सिटी के भूविज्ञानी, प्रोफेसर जो चोवैन के अनुसार, ''पिरामिड जैसी दिखने वाली ये पहाड़ियां न तो मानव -निर्मित हैं और न ही प्राचीन कब्रों का स्थान हैं, बल्कि प्रकृति की कलात्मकता का उदाहरण हैं।'' दक्षिण-पूर्व चीन का गुईजो प्रांत खड़ी चोटियों वाले पहाड़ों की श्रृंखला और गहरी घाटियों वाले लैण्डस्केप के लिए जाना जाता है। तस्वीर में दिखने वाले ये पहाड़, कार्स्ट टोपोग्राफी का एक हिस्सा हैं जो घुलनशील कार्बोनेट चट्टानों के विघटन की प्रक्रिया से बनता है। ''कोन'' जैसी दिखने वाली ये चोटियाँ प्राकृतिक शैल संरचनाओं का परिणाम हैं। चोवैन ने बताया, ''पानी के वर्टिकल कटाव ने चट्टानों के विस्तृत समूह को अलग-अलग इकाईयों में बांट दिया। यह कटाव प्रक्रिया निरंतर जारी रहने के कारण, शीर्ष की चट्टानें ज्यादा घुल गईं जबकि आधार की चट्टानों पर कम प्रभाव हुआ इसलिए चौड़े बेस (आधार) के ऊपर पैनी चोटियों का निर्माण हुआ। अनलांग की चट्टानें, चूने के पत्थर से बनी हुई रचनाएं हैं जो कि 200 मिलियन वर्षों से, ट्रायैसिक काल की शुरुआत से मध्य तक निर्मित हुई होंगी। ये चट्टानें समुद्री वातावरण में बनी होंगी, जहां, पानी में घुले हुए खनिज, जलवायु और जिओलॉजी (भूतत्व) में समय -समय पर होने वाले बदलाव के कारण, रीक्रिस्टलाइज़ होकर अलग-अलग विशिष्ट सतहें बना देते हैं। ईंट-नुमा संरचनाएं भी कटाव के कारण बनी हुई प्राकृतिक नक्काशी हैं। चोवैन ने विस्तार से बताया कि, कार्स्ट लैन्डस्कैप की भूगर्भीय प्रक्रियाएं परतदार चट्टानों को डिज़ॉल्व (विघटित) करके छोटे खंडों में परिवर्तित कर सकती हैं, जिससे वो मानव-निर्मित लगती हैं। चट्टानों के बीच की छोटी दरारों में पानी जाने से उनमें कटाव शुरु हो जाता है जिसके कारण पूरी तरह से घुलने के बजाय खंडित ब्लॉक जैसी नज़र आने वाली संरचनाएं बन जाती हैं।

'हमे 100 में से 75 नम्बर मिले लेकिन विपक्ष तो 25 नम्बर पाकर ही खुद को पास मान रहा है'

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव परिणामों के बारे में विपक्ष के दावों पर तंज कसा

- **अमित शाह ने कहा कि, हमें 100 में 85 नंबरों की उम्मीद थी, हालांकि 75 आए और वो 25 में फेल होकर भी खुश ऐसे हैं मानो जीत गए।**
- **अमित शाह ने कहा कि, आगामी हरियाणा चुनाव में भाजपा अकेले चुनाव लड़ने जा रही है और दावा किया कि, वे लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगे।**
- **गौरतलब है कि, इस बार आये लोकसभा चुनावों के बाद विपक्ष पिछले दस सालों में पहली बार बेहद मजबूत हुआ है और भाजपा नीत एन.डी.ए. पर चुनाव परिणामों को लेकर लगातार तीखे हमले कर रहा है।**
- **विपक्ष दावे कर रहा है कि, चुनाव परिणामों ने जता दिया है कि, प्रधानमंत्री मोदी में जनता का विश्वास अब बाकी नहीं रह गया है।**

नई दिल्ली, 30 जून। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि, हमें 100 में 85 नंबरों की उम्मीद थी, हालांकि 75 आए और वो 25 में फेल होकर भी खुश ऐसे हैं मानो जीत गए। शाह ने कहा कि अकेले भाजपा को चुनाव में पूरे इंडिया ब्लॉक के बराबर सीटें मिली हैं। शाह ने कहा कि आगामी हरियाणा चुनाव में भाजपा अकेले चुनाव लड़ने जा रही है और दावा किया कि वे लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगे।

अमित शाह हरियाणा के पंचकूला में भाजपा नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव मौजूद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अकेले चुनाव लड़ेगी। शाह ने दावा किया कि भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है। शाह ने कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि भाजपा इस साल अक्टूबर से पहले होने वाले राज्य चुनावों के लिए किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी सूत्रों ने शाह के हवाले से बताया कि बैठक में उन्होंने कहा कि पार्टी को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है।

अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस लोगों में भ्रम फैलाकर लोकसभा चुनाव में अपनी हार को छिपाने की कोशिश कर रही है। शाह ने कहा, "हमें 100 में से 85 अंकों की उम्मीद थी, लेकिन 75 अंक ही मिल पाए और कांग्रेसी हमें फेल कह रहे हैं। उन्हें सिर्फ 25 अंक मिले और वे खुद को पास कह रहे हैं। वे (कांग्रेस) फेल होने के बाद भी खुद को पास कह रहे हैं। अकेले भाजपा को पूरे इंडिया ब्लॉक जितनी सीटें मिली हैं।"

अमित शाह ने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और दीपेंद्र सिंह हुड्डा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हरियाणा में अब 'तारा, सितारा' नहीं चलेगा। सोनिया का आंखों का तारा (राहुल गांधी) और भूपेंद्र हुड्डा साहब का सितारा (दीपेंद्र हुड्डा)।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि, बैठक में अमित शाह ने राज्य की 10 लोकसभा सीटों में से पांच पर बीजेपी की हार का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुंबई के दो पासपोर्ट ऑफिस में भ्रष्टाचारः चौदह अधिकारियों के खिलाफ सी.बी.आई जांच शुरु

फर्जी पासपोर्ट बनाने के मामले में सी.बी.आई. ने 33 ठिकानों पर छापे मारे, 18 एजेंटों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज हुआ

- **सी.बी.आई. ने अपनी 12 एफ.आई.आर. में 18 एजेंट और बिचौलियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।**
- **सी.बी.आई. ने एफ.आई.आर में दर्ज किया है कि, अधुरे और फर्जी कागजातों के आधार पर फर्जी पासपोर्ट बनाने का काम किया जा रहा था।**

मुंबई, 30 जून। सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वैस्टिगेशन (सी.बी.आई.) ने फर्जी तौर-तरीकों से पासपोर्ट बनाने और भ्रष्टाचार के आरोप में मुंबई में दो पासपोर्ट सेवा केंद्र (पी.एस.के.) के 14 अधिकारियों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

सी.बी.आई. ने महाराष्ट्र में 33 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। मामले से जुड़े सी.बी.आई. अधिकारियों ने बताया कि, सी.बी.आई. ने लोअर परेल और मलाड में पासपोर्ट सेवा केंद्रों के अधिकारियों और बिचौलियों से जुड़े एक भ्रष्टाचार रैकेट का पर्दाफाश किया है। सी.बी.आई. ने अपनी 12 एफ.आई.आर. में 18 एजेंट्स और बिचौलियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है।

सी.बी.आई. के एक अधिकारी ने बताया, ये अधिकारी पासपोर्ट सेवा एजेंट के साथ लगातार संपर्क में थे और अपर्याप्त या अधूरे डाक्यूमेंट्स के आधार पर या पासपोर्ट आवेदकों के पर्सनल डिटेल में हेरफेर करके पासपोर्ट जारी करने के बदले में अनुचित आर्थिक लाभ लेने के लिए बिचौलियों के साथ मिलकर साजिश रचते थे।

अधिकारियों ने बताया कि, 26 जून को विदेश मंत्रालय के सतर्कता विभाग के औचक निरीक्षण के दौरान कथित भ्रष्टाचार का पता चला। उन्होंने बताया कि, मोबाइल फोन, सोशल मीडिया चैट और यू.पी.आई. पेमेंट के विश्लेषण से कई लाख रुपये के कुछ संदिग्ध लेनदेन सामने आए।

सी.बी.आई. के अधिकारियों ने बताया कि आरोपी --पासपोर्ट सेवा केंद्रों के अधिकारी जूनियर और सीनियर पासपोर्ट सहायकों के पद पर हैं और कथित तौर पर विभिन्न पासपोर्ट सेवा एजेंट और बिचौलियों के साथ मिलीभगत करके काम कर रहे थे। साथ ही अपने या अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में अवैध रूप से पैसे ले रहे थे।

विदेश मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद सी.बी.आई. ने अधिकारियों और बिचौलियों के खिलाफ 12 एफ.आई.आर. दर्ज की। अधिकारियों ने बताया कि, शनिवार को मुंबई और नासिक में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें डिजिटल डिवाइस, डाक्यूमेंट्स और अन्य सामग्री जब्त की गई। गौरतलब है कि, बीते दिनों दिल्ली एयरपोर्ट पर एक फर्जी पासपोर्ट का मामला सामने आया था। एक युवा व्यक्ति फर्जी पासपोर्ट के जरिये विदेश जाने के प्रयास में एयरपोर्ट पर पकड़ा गया था, ऐसे और भी कई मामले सामने आने के बाद पासपोर्ट कार्यकालयों के खिलाफ जांच बिठाने का विदेश मंत्रालय ने निर्णय लिया था।

यू.जी.सी. नेट की परीक्षा ऑनलाइन मोड में होगी

नई दिल्ली, 30 जून। नैशनल टैस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए.) ने घोषणा की है कि यू.जी.सी. नेट की फिर से होने वाली परीक्षा कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के रूप में ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। 18 जून को आयोजित यूजीसी नेट की परीक्षा पेपर लीक होने की वजह से एक दिन बाद यानी 19 जून को रद्द कर दी गई थी।

- **नैशनल टैस्टिंग एजेंसी ने यह घोषणा की है। 18 जून को आयोजित यू.जी. सी. नेट की परीक्षा पेपर लीक होने की वजह से एक दिन बाद यानी 19 जून को रद्द कर दी गई थी।**

एनटीए ने दोबारा परीक्षा की तारीखों की घोषणा कर दी है।

एन.टी.ए. ने कहा, यू.जी.सी. नेट जून 2024 परीक्षा पहले पेन और पेपर (ऑफलाइन) मोड में आयोजित की गई थी। यह अब सीबीटी मोड में आयोजित की जाएगी। परीक्षा अब 21 अगस्त से 4 सितंबर के बीच कई पालियों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीट यू.जी. सहित सभी एंट्रेस एग्ज़ाम ऑनलाइन मोड में आयोजित होंगे

नीट पेपर लीक को लेकर बीते हफ्ते में करीब तीन उच्च-स्तरीय बैठकें हुई हैं, जिसमें यह परीक्षा ऑनलाइन मोड में आयोजित करने पर प्रमुखता से विचार किया गया है

- **गौरतलब है कि, 2018 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने इस मामले पर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि, 2019 से नीट यू.जी. परीक्षा का ऑनलाइन और साल में 2 बार आयोजन किया जाएगा। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय की आपत्ति के बाद शिक्षा मंत्रालय को यह निर्णय वापस लेना पड़ा। मगर, अब सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि, ऑनलाइन परीक्षा को लेकर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।**

नई दिल्ली, 30 जून। नीट परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद केन्द्रीय परीक्षा एजेंसियों के खिलाफ कई तरह के सवाल उठे हैं। इस मुद्दे को लेकर छात्रों ने सड़कों पर प्रदर्शन किया और संसद के गलियारों में भी इसकी गूंज सुनाई दी। नीट यू.जी. पेपर लीक पर बढ़ते विवाद के बीच केन्द्र सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले साल से नीट यू.जी. का एग्जाम ऑनलाइन मोड में कराए जाने पर विचार चल रहा है। गौरतलब है कि, अब तक नीट की परीक्षा पेन-एंड-पेपर से होती रही है, जिसमें मल्टिपल चॉइस कॉशन टाइप के प्रश्न पूछे जाते हैं। मगर, आने वाले दिनों में नीट यू.जी. के लिए भी जे.ई.ई. मेन या जे.ई.ई. एडवांस्ड जैसी कंप्यूटर आधारित परीक्षा को अपनाया जा सकता है।

नीट पेपर लीक को लेकर बीते हफ्ते में करीब तीन उच्च-स्तरीय बैठकें हुई हैं, जहां मामले को लेकर अलग-अलग पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। 22 जून को केंद्र सरकार की ओर से पूर्व इसरो अध्यक्ष के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय पैनल का गठन किया गया। टैस्ट प्रक्रिया व डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधारों की सिफारिश करने और नैशनल टैस्टिं एजेंसी (एन.टी.ए.) की संरचना व कार्यप्रणाली की समीक्षा के लिए यह कमेटी बनाई गई। गौरतलब है कि, 2018 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने इस मामले पर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि, 2019 से नीट यू.जी. परीक्षा का ऑनलाइन और साल में 2 बार आयोजन किया जाएगा। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय की आपत्ति के बाद शिक्षा मंत्रालय को यह निर्णय वापस लेना पड़ा। मगर, अब सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि, ऑनलाइन परीक्षा को लेकर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। वहीं, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एन.बी.ई.) आगामी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मेघालयः दूषित भोजन के सेवन से 50 लोग अस्पताल में भर्ती

शिलांग 30 जून (वार्ता)। मेघालय के पूर्वी पश्चिमी खासी हिल्स जिले में एक अंतिम संस्कार समारोह के दौरान एक घर में कथित रूप से दूषित भोजन के सेवन के बाद महिलाओं और बच्चों सहित 50 से अधिक लोग बीमार हो गए है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि मरीजों को मैरांग और नोंगस्टोइन सिविल अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

- **मेघालय के पूर्वी पश्चिमी खासी हिल्स जिले में एक अंतिम संस्कार समारोह के दौरान एक घर में कथित रूप से दूषित भोजन के सेवन के बाद 50 से अधिक लोग बीमार हो गए।**

मैरांग में यू तिरोट सिंग मेमोरियल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'शिक्षा से कहीं ज्यादा वैवाहिक आयोजनों पर खर्च करते हैं भारतीय'

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज़ ने एक रिपोर्ट में कहा है कि, भारतीय विवाह उद्योग का आकार लगभग 10 लाख करोड़ रुपये है जबकि भारतीय एजुकेशन पर पांच लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं

- **रिपोर्ट में कहा है कि, भारत में सालाना 80 लाख से एक करोड़ शादियां होती हैं, जबकि चीन में 70-80 लाख और अमेरिका में 20-25 लाख शादियां होती हैं।**
- **रिपोर्ट के अनुसार भारतीय विवाह उद्योग का खाद्य और किराना के बाद दूसरे स्थान पर है।**
- **जेफरीज़ ने रिपोर्ट में कहा है कि, हर साल 80 लाख से एक करोड़ शादियां होने के साथ, भारत दुनिया भर में सबसे बड़ा विवाह स्थल है। कैट के अनुसार इसका आकार 130 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।**

नई दिल्ली, 30 जून। भारतीय विवाह उद्योग का आकार लगभग 10 लाख करोड़ रुपये है, जो खाद्य और किराना के बाद दूसरे स्थान पर है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया कि आम हिंदुस्तानी शिक्षा की तुलना में विवाह समारोह पर दोगुना खर्च करते हैं। भारत में सालाना 80 लाख से एक करोड़ शादियां होती हैं, जबकि चीन में 70-80 लाख और अमेरिका में 20-25 लाख शादियां होती हैं।

गौरतलब है कि, भारत में आजकल हाई प्रोफाइल शादियों का ट्रेंड भी काफी बढ़ गया है। आगामी समय में रिलायंस के मुखिया मुकेश अंबानी के बेटे की अनंत अंबानी की शादी के भी खूब चर्चे हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि, एक विशालकाय क्रूज शिप पर इस विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा, जिसमें देश-दुनिया के सभी जाने-माने सैलिब्रिटिज़ शिरकत करेंगे।

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज़ ने एक रिपोर्ट में कहा है कि, भारतीय विवाह उद्योग अमेरिका (70 अरब अमेरिकी डॉलर) के उद्योग के आकार का लगभग दोगुना है। हालांकि, यह चीन (170 अरब अमेरिकी डॉलर) से छोटा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में खपत श्रेणी में शादियों का दूसरा स्थान है। अगर शादी एक श्रेणी होती, तो वे खाद्य और किराना (681 अरब अमेरिकी डॉलर) के बाद दूसरी सबसे बड़ी खुदरा श्रेणी होती। भारत में शादियां भव्य होती हैं और इनमें कई तरह के समारोह और खर्च होते हैं। इससे आभूषण और परिधान जैसी श्रेणियों में खपत बढ़ती है और अप्रत्यक्ष रूप से ऑटो तथा इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को लाभ मिलता है। खर्चीली शादियों पर अंकुश लगाने के प्रयासों के बावजूद, विदेशी स्थानों पर होने वाली आलीशान शादियां भारतीय वैभव को प्रदर्शित करती रहती हैं।

जेफरीज ने कहा, हर साल 80 लाख से एक करोड़ शादियां होने के साथ, भारत दुनिया भर में सबसे बड़ा विवाह स्थल है। कैट के अनुसार इसका आकार 130 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। भारत का विवाह उद्योग अमेरिका के मुकाबले लगभग दोगुना है और प्रमुख उपभोग श्रेणियों में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। भारतीय शादी कई दिनों तक चलती हैं और साधारण से लेकर बेहद भव्य तक होती हैं। इसमें क्षेत्र, धर्म और आर्थिक पृष्ठभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि भारत में विवाह पर शिक्षा (स्नातक तक) की तुलना में दोगुना खर्च किया जाता है, जबकि अमेरिकी जैसे देशों में यह खर्च शिक्षा की तुलना में आधे से भी कम है।

जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नये सेना प्रमुख बने

नई दिल्ली, 30 जून (वार्ता)। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को 30वें सेना प्रमुख के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया। उन्हें जनरल मनोज पांडे के स्थान पर नियुक्त किया गया है ,जो चार दशकों से भी अधिक लंबी विशिष्ट सेवा के बाद सेवानिवृत हो गये।

- **जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को जनरल मनोज पांडे के स्थान पर नियुक्त किया गया है, जो चार दशकों से भी अधिक लंबी विशिष्ट सेवा के बाद सेवानिवृत हो गये।**

जनरल मनोज पांडे ने यहां साउथ ब्लाक स्थित रक्षा मंत्रालय के कार्यालय में जनरल द्विवेदी को सेना की कमान सौंपी। जनरल पांडे का कार्यकाल पिछले महीने पूरा होना था, लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उन्हें एक महीने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)